

**कक्षा - शास्त्री**  
**विषय - व्याकरण (विशेषाध्ययनम्)**  
**वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी V काशिकावृत्तिः V**

सत्रार्द्धम् : तृतीयम्

पत्रम् : पञ्चमम्

| विषय<br>कूटाङ्कः  | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी काशिकावृत्तिश्च<br>(समासप्रकरणं बालमनोरमासहितम्) काशिका - द्वितीयोऽध्यायः                                                                                                                                                                                                                               | पूर्णाङ्काः | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------|----------|-------------|
| SC(SPL)-<br>3.5.2 | पञ्चमम्                  |       | पाठ्यांशः                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | १००         | १० होराः | ६           |
|                   |                          | १     | अव्ययीभावसमासावबोधनम्                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | २     | “तत्पुरुष” इति सूत्रारभ्य “दिवसंख्ये संज्ञायाम्” इति यावत् समासावबोधनम्                                                                                                                                                                                                                                                                      | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ३     | “तद्धितार्थोत्तरपदसमाहारे च” इत्यतः सम्पूर्णं तत्पुरुषसमासप्रकरणम्                                                                                                                                                                                                                                                                           | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ४     | बहुव्रीहिसमासप्रकरणावबोधनम्                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ५     | काशिका<br>(क) अनभिहिते (२.३.१) इत्यतः आरभ्य आयुक्त कुशलाभ्यामिति<br>(२.३.४० यावत्<br>(ख) यतश्च निर्धारणमित्यारभ्य (२.३.४१) चतुर्थी (२.३.७३)<br>पर्यन्तम्                                                                                                                                                                                     | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ६     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्काः ०५<br>२. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५<br>३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५<br>४. उपस्थितिः अङ्काः ०५<br><br>७५% = ०१ अङ्कः<br>७६%-८०% = ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५% = ०३ अङ्काः<br>८६%-९०% = ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २०          | १५ होराः | १           |

सहायक पुस्तकानि -

- |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ol style="list-style-type: none"> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास (खण्ड-15 व्याकरण)</li> <li>व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः</li> <li>व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास</li> </ol> | <ul style="list-style-type: none"> <li>गोविन्दाचार्य, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>आचार्य जगदीश शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली</li> <li>श्री चन्द्रशेखर शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, नई दिल्ली</li> <li>गिरधर शर्मा एवं परमेश्वरानन्द शर्मा, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली</li> <li>डॉ. सुलेखा देवी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>गोपाल दत्त पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>ईश्वरचन्द्र एवं सोमलेखा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>शिवप्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>सभापति शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ</li> <li>डॉ. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>श्री रमाकान्त मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> </ul> |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

**कक्षा - शास्त्री**  
**विषय - व्याकरण (विशेषाध्ययनम्)**  
**वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी VI काशिकावृत्ति: VI**

सत्रार्द्धम् : तृतीयम्

पत्रम् : षष्ठम्

| विषय<br>कूटाङ्कः  | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी काशिकावृत्तिश्च<br>(समासतद्धितप्रकरणञ्च बालमनोरमासहितम्) काशिका -<br>द्वितीयोऽध्यायः                                                                                                                                                                                                                    | पूर्णाङ्काः | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------|----------|-------------|
| SC(SPL)-<br>3.6.2 | षष्ठम्                   |       | पाठ्यांशः                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | १००         | १० होराः | ६           |
|                   |                          | १     | द्वन्द्वसमासावबोधनम्                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | २     | एकशेषप्रकरणादारभ्यालुक्समासप्रकरणावबोधनम्                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ३     | समासाश्रयविधिः प्रकरणं सम्पूर्णम्                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ४     | तद्धितचातुर्थिकप्रकरणादारभ्य तद्धितशैषिकप्रकरणसम्पूर्णम्                                                                                                                                                                                                                                                                                     | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ५     | काशिका<br>(क) द्विगुरेकवचनम् (२.४.१) इत्यारभ्य अशाला (२.४.२४) पर्यन्तम्<br>(ख) विभाषा सेनासुराच्छाया (२.४.२५) इत्यारभ्य लुटः प्रथमस्य<br>डारौरसः (२.४.८५) पर्यन्तम्                                                                                                                                                                          | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ६     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्काः ०५<br>२. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५<br>३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५<br>४. उपस्थितिः अङ्काः ०५<br><br>७५% = ०१ अङ्कः<br>७६%-८०% = ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५% = ०३ अङ्काः<br>८६%-९०% = ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २०          | १५ होराः | १           |

सहायक पुस्तकानि -

- |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ol style="list-style-type: none"> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी</li> <li>संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास (खण्ड-15 व्याकरण)</li> <li>व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः</li> <li>व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास</li> </ol> | <ul style="list-style-type: none"> <li>गोविन्दाचार्य, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>आचार्य जगदीश शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली</li> <li>श्री चन्द्रशेखर शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, नई दिल्ली</li> <li>गिरधर शर्मा एवं परमेश्वरानन्द शर्मा, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली</li> <li>डॉ. सुलेखा देवी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>गोपाल दत्त पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>ईश्वरचन्द्र एवं सोमलेखा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>शिवप्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>समापति शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ</li> <li>डॉ. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>श्री रमाकान्त मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी</li> </ul> |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

**कक्षा - शास्त्री**  
**विषय - व्याकरण (विशेषाध्ययनम्)**  
**वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी IX काशिकावृत्ति: IX**

सत्रार्द्धम् : पञ्चमम्

पत्रम् : पञ्चमम्

| विषय<br>कूटाङ्कः  | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी काशिकावृत्तिश्च<br>(पुनरावृत्तलकारार्थप्रकरणं बालमनोरमासहितम्)                                                                                                                                                                                                                                          | पूर्णाङ्काः | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------|----------|-------------|
| SC(SPL)-<br>5.5.2 | पञ्चमम्                  |       | पाठ्यांशः                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | १००         | १० होराः | ६           |
|                   |                          | १     | ण्यन्त-सन्नन्त-यङन्त-यङ्लुगन्त-प्रक्रियापरिज्ञानम्                                                                                                                                                                                                                                                                                           | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | २     | नामधातु-आत्मनेपद-परस्मैपद-प्रक्रियापरिज्ञानम्                                                                                                                                                                                                                                                                                                | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ३     | भाव-कर्मकर्तृप्रक्रियाविमर्शः                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ४     | लकारार्थविमर्शः                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ५     | काशिका<br>(क) लिङ्याशिष्यङ् (३.१.८६) इत्यारभ्य अजर्यं सङ्गतम्<br>(३.१.१०५) यावत्<br>(ख) वदः सुपि क्यप् च (३.१.१०६) इत्यतः चित्यामिचित्ये<br>च(३.१.१३२) यावत्                                                                                                                                                                                 | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ६     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्काः ०५<br>२. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५<br>३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५<br>४. उपस्थितिः अङ्काः ०५<br><br>७५% = ०१ अङ्कः<br>७६%-८०% = ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५% = ०३ अङ्काः<br>८६%-९०% = ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २०          | १५ होराः | १           |

सहायक पुस्तकानि -

- |                                                      |                                                                      |
|------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------|
| १. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - गोविन्दाचार्य, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी                   |
| २. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - आचार्य जगदीश शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली               |
| ३. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - श्री चन्द्रशेखर शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, नई दिल्ली               |
| ४. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - गिरधर शर्मा एवं परमेश्वरानन्द शर्मा, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली |
| ५. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - डॉ. सुलेखा देवी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी                 |
| ६. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - गोपाल दत्त पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी              |
| ७. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - ईश्वरचन्द्र एवं सोमलेखा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी         |
| ८. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - शिवप्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी                 |
| ९. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - समापति शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी                    |
| १०. संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास (खण्ड-15 व्याकरण) | - उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ                                  |
| ११. व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः                         | - डॉ. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी        |
| १२. व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास              | - श्री रमाकान्त मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी             |

**कक्षा - शास्त्री**  
**विषय - व्याकरण (विशेषाध्ययनम्)**  
**वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी X काशिकावृत्ति: X**

सत्रार्द्धम् : पञ्चमम्

पत्रम् : षष्ठम्

| विषय<br>कूटाङ्कः  | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी काशिकावृत्तिश्च<br>(कृदन्तप्रकरणं बालमनोरमासहितम्)                                                                                                                                                                                                                                                    | पूर्णाङ्काः | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------|----------|-------------|
| SC(SPL)-<br>5.6.2 | षष्ठम्                   |       | पाठ्यांशः                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | १००         | १० होराः | ६           |
|                   |                          | १     | कृत्यप्रक्रियाविमर्शः, “ण्वुल्लूचौ” इत्यतः “आतोऽनुपसर्गे कः” इत्यन्तं यावत्                                                                                                                                                                                                                                                                | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | २     | “सुपि स्थः” इत्यतः “अन्येष्वपि दृश्यते” इति यावत्                                                                                                                                                                                                                                                                                          | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ३     | “क्तवत् निष्ठा” इत्यतः “कर्तरि चर्षिदेवतयोः” इति यावत्                                                                                                                                                                                                                                                                                     | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ४     | “उणादि बहुलम्” इत्यतः “अन्वच्यानुलोम्ये” इति यावत्                                                                                                                                                                                                                                                                                         | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ५     | काशिका<br>(क) ण्वुल्लूचौ (३.१.१३३) इत्यारभ्य आशिषि च (३.१.१५०) यावत्<br>(ख) कर्मण्यण् (३.२.१) इत्यतः दिवाविभानिशा० (३.२.२१) यावत्                                                                                                                                                                                                          | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ६     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्काः ०५<br>२. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५<br>३. शिक्षणस्रोतसामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५<br>४. उपस्थितिः अङ्काः ०५<br><br>७५% = ०१ अङ्कः<br>७६%-८०% = ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५% = ०३ अङ्काः<br>८६%-९०% = ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २०          | १५ होराः | १           |

सहायक पुस्तकानि -

- |                                                      |                                                                      |
|------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------|
| १. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - गोविन्दाचार्य, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी                   |
| २. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - आचार्य जगदीश शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली               |
| ३. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - श्री चन्द्रशेखर शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, नई दिल्ली               |
| ४. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - गिरधर शर्मा एवं परमेश्वरानन्द शर्मा, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली |
| ५. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - डॉ. सुलेखा देवी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी                 |
| ६. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - गोपाल दत्त पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी              |
| ७. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - ईश्वरचन्द्र एवं सोमलेखा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी         |
| ८. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - शिवप्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी                 |
| ९. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी                            | - समापति शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी                    |
| १०. संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास (खण्ड-15 व्याकरण) | - उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ                                  |
| ११. व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः                         | - डॉ. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी        |
| १२. व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास              | - श्री रमाकान्त मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी             |